

**पत्र सूचना शाखा**  
**सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०**

**राज्यपाल ने नेशनल एसोसिएशन फार ब्लाइंड संस्था के कार्यक्रम में दृष्टिबाधित बच्चों को सम्मानित किया**

लखनऊ: 04 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज नेशनल एसोसिएशन फार ब्लाइंड संस्था द्वारा सर लुईस ब्रेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में विश्वेशरैया प्रेक्षागृह में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सर लुईस ब्रेल ने ब्रेल लिपि विकसित कर दृष्टिबाधित लोगों में विश्वास पैदा करने का कार्य किया है। दृष्टि होना एक बात है और देखना अलग बात है। ब्रेल लिपि से दृष्टिबाधित लोगों ने पढ़ना-लिखना शुरू किया तथा बोलने और सुनने के लिए अलग से यंत्र तैयार किये गये। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को आगे बढ़ाने का काम करना एवं प्रशिक्षण देना वास्तव में बड़े महत्व का काम है।

श्री नाईक ने दृष्टिबाधित बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम नेत्रविहीन लोगों के लिए आयोजित किया गया है मगर जो दृष्टि व कला नेत्रविहीन बाल कलाकारों में है वह स्वयं उनमें नहीं है। बच्चों में आगे बढ़ने की प्रबल इच्छा है। कार्यक्रम में मन की ताकत की प्रस्तुति देखने को मिली। समाज में जो लोग किसी कारण से शारीरिक रूप से अक्षम या कमजोर हैं उन्हें साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की सेवा करना तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना ईश्वर सेवा से श्रेष्ठ है।

राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अशक्तजनों के विकास के लिए अनेकों कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि यदि कोई सुझाव या बदलाव होगा तो उस संबंध में वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से बात करके समाधान कराने की कोशिश करेंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने एसोसिएशन द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता 'ब्रेल के महत्व' में विजेता बच्चों को पुरस्कार भी वितरित किया। कार्यक्रम में दृष्टिबाधित बच्चों ने नृत्य, गीत, काव्य-पाठ व राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया। श्री जे०पी० काण्डपाल ने सर लुईस ब्रेल के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर राज्यपाल ने एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

-----



